RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

# Class 12th POLITY

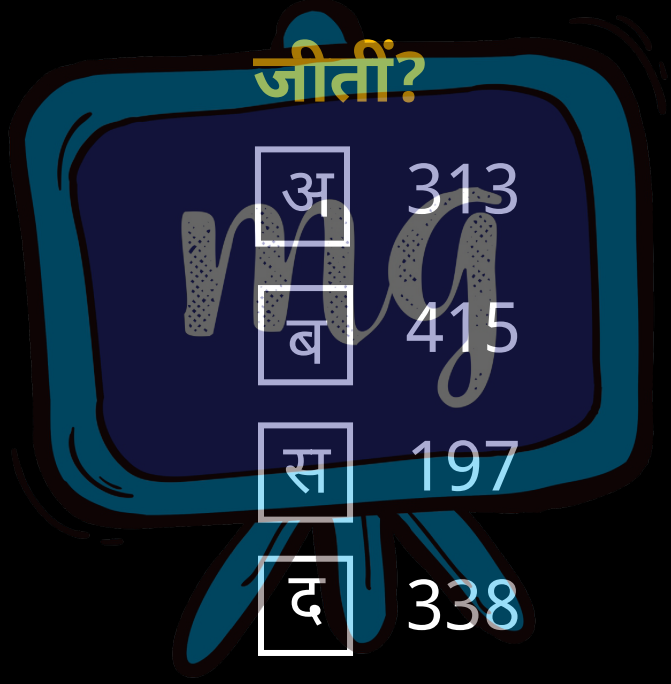
# भारतीय राजनीति
# नए बदलाव

## RAPID REVISION



## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 1984 में कांग्रेस ने लोकसभा की कितनी सीटें जीतीं? (RBSE-2022)



अ 313

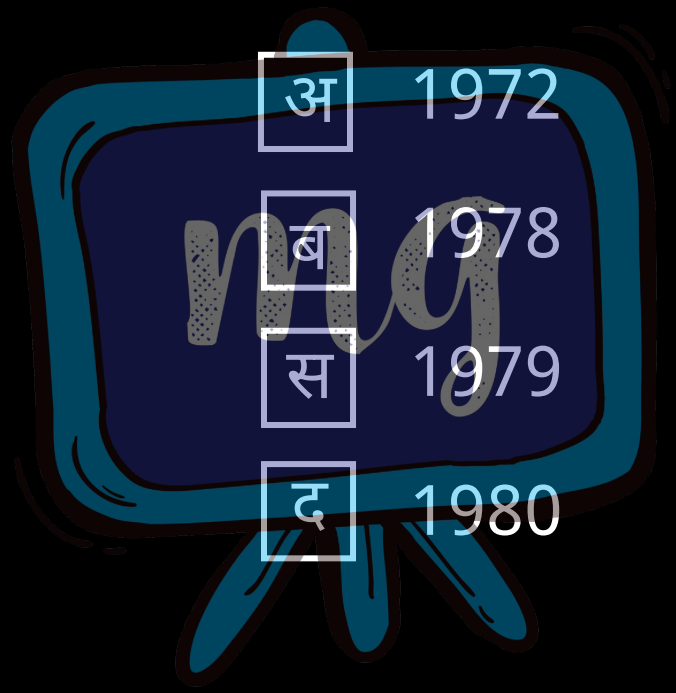
ब 415

स 197

द 338

2. बामसेफ का गठन कब हुआ?

(RBSE-2024, RBSE-2025)



3. **1989 की राष्ट्रीय मोर्चा सरकार के प्रधानमंत्री कौन थे?**

(RBSE-2023, RBSE-2025)

अ चौधरी चरण सिंह

ब मोरारजी देसाई

स वी. पी. सिंह

द चन्द्रशेखर

4. भारत में गठबंधन राजनीति का दौर कब शुरू हुआ? (Model Paper-2025)



अ 1989

ब 1995

स 2004

द 2014

**5. मार्च 1998 की भाजपा-नीत राजग सरकार का नेतृत्व किसने किया?** (Model Paper-2026)

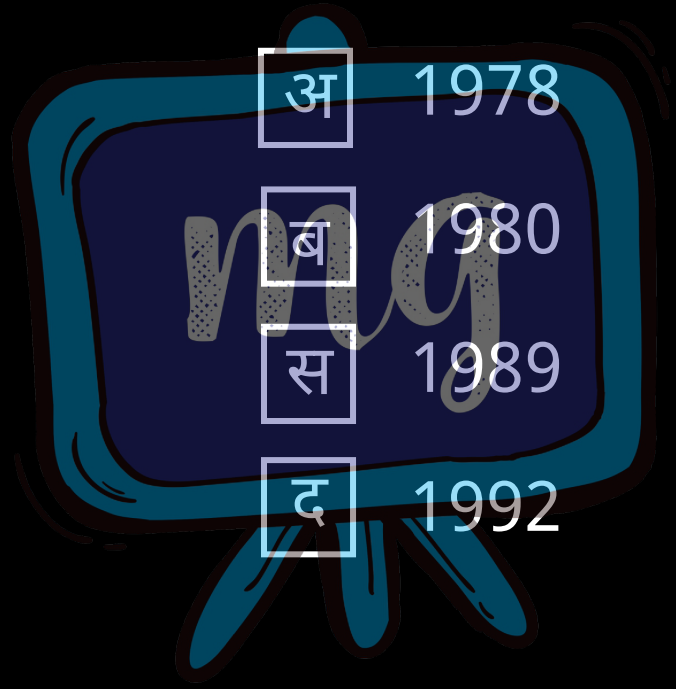
(अ) अटल बिहारी वाजपेयी

(ब) लाल कृष्ण आडवाणी

(स) इन्द्र कुमार गुजराल

(द) एच. डी. देवगौड़ा

6. मंडल आयोग ने अपनी सिफारिशें किस वर्ष प्रस्तुत कीं?



अ 1978

ब 1980

स 1989

द 1992

7. बहुजन समाज पार्टी की स्थापना किस वर्ष हुई?

अ 1978

ब 1980

स 1984

द 1989

8. **1989 में राष्ट्रीय मोर्चे को किन दो राजनीतिक समूहों का समर्थन मिला?**

अ कांग्रेस और भाजपा

ब भाजपा और वाम मोर्चा

स कांग्रेस और वाम मोर्चा

द कांग्रेस और जनता दल

9. अयोध्या विवाद पर सर्वोच्च न्यायालय की संवैधानिक पीठ का निर्णय कब आया?

अ 1992

ब 2004

स 2014

द 9 नवम्बर 2019

## रिक्त स्थान

1. 1990 में राष्ट्रीय मोर्चा सरकार ने _____ आयोग की सिफारिशें लागू कीं। (RBSE-2022)

2. मंडल आयोग का अध्यक्ष _____ को बनाया गया। (RBSE-2026)



3. 2004 के लोकसभा चुनाव के बाद _____ गठबंधन की सरकार बनी। (RBSE-2023)



4. राष्ट्रीय मोर्चा जनता दल और कुछ अन्य _____ दलों को मिलाकर बना था।



5. 1996 में बनी सरकार को _____ मोर्चा सरकार कहा गया।



6. जून 1996 में _____ के नेतृत्व में संयुक्त मोर्चा सरकार बनी।



7. जनता पार्टी के पतन के बाद पूर्ववर्ती जनसंघ के समर्थकों ने _____ में भाजपा बनाई।



## अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

**1. बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कौन थे?**

(RBSE-2022)

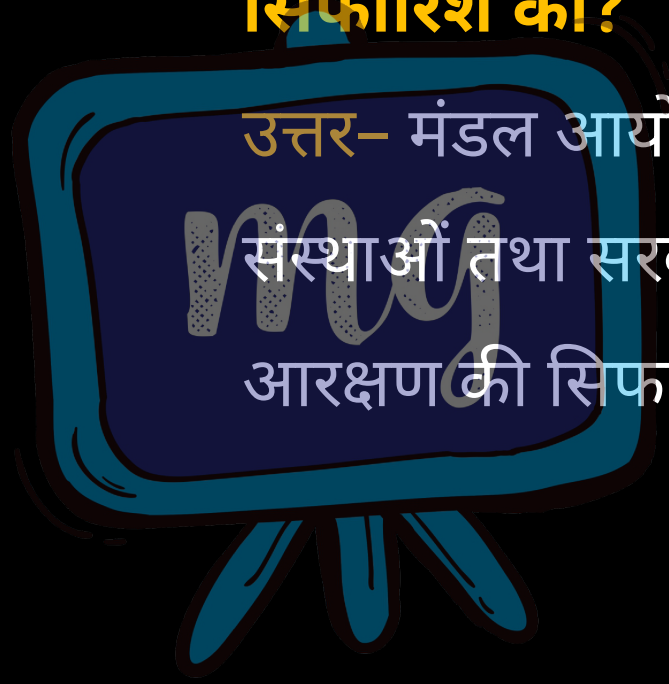


उत्तर– बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम थे।

**2. BAMCEF का प्रमुख उद्देश्य क्या था?** (RBSE-2022)

उत्तर– BAMCEF का प्रमुख उद्देश्य 'बहुजन' की राजनीतिक सत्ता की जबरदस्त तरफ़दारी करना था।

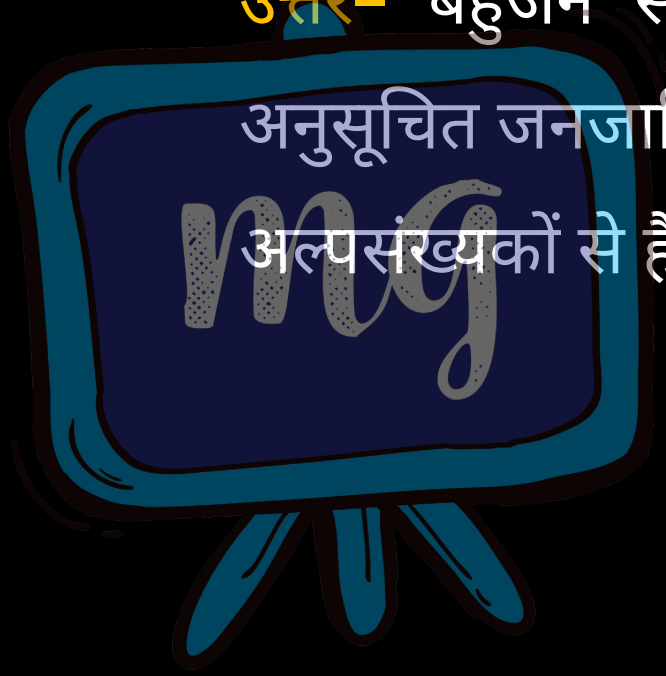
**3. मंडल आयोग ने पिछड़ी जातियों के लिए क्या सिफारिश की?** (RBSE-2023)



उत्तर– मंडल आयोग ने पिछड़ी जातियों के लिए शिक्षा संस्थाओं तथा सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की।

**4. 'बहुजन' से क्या अभिप्राय है?** (RBSE-2025)

उत्तर– 'बहुजन' से अभिप्राय अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों से है।



**5. OBC आरक्षण की सिफारिश किस आयोग ने की?** (RBSE-2025)



उत्तर– अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के लिए आरक्षण की सिफारिश मंडल आयोग ने की।

**6. कर्पूरी ठाकुर किस राज्य के मुख्यमंत्री थे?**

(RBSE-2025)



उत्तर– कर्पूरी ठाकुर बिहार राज्य के मुख्यमंत्री थे।

## 7. राजग का पूरा नाम लिखिए।

(RBSE-2025)




उत्तर– राजग का पूरा नाम राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन है।

**8. 1989 में सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद विपक्ष में कौन-सी पार्टी बैठी?** (Model Paper-2026)

उत्तर– 1989 में सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस विपक्ष में बैठी।

**9. तलाक से जुड़े अधिकारों के लिए मुस्लिम महिला अधिनियम कब पारित हुआ?** (Model Paper-2026)

उत्तर– मुस्लिम महिला (तलाक से जुड़े अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 1986 में पारित हुआ।



**10. मंडल आयोग के निर्णय से जुड़ा सर्वोच्च न्यायालय का प्रकरण किस नाम से प्रसिद्ध हुआ?**

उत्तर– यह प्रकरण इंदिरा साहनी केस के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

## लघुत्तरात्मक प्रश्न

**1. बामसेफ पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।**

(RBSE-2023)

उत्तर–

1. गठन — बामसेफ का गठन 1978 में किया गया।
2. पूरा नाम — इसका पूरा नाम बैकवर्ड एंड माइनॉरिटी कम्युनिटीज एम्पलाइज फेडरेशन था।
3. प्रमुख उद्देश्य — इस संगठन ने बहुजन की राजनीतिक सत्ता की जबरदस्त तरफ़दारी की।

4. बहुजन की अवधारणा — इसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक शामिल थे।

5. राजनीतिक विकास — बामसेफ के परवर्ती विकास से दलित-शोषित समाज संघर्ष समिति और बाद में बहुजन समाज पार्टी का उदय हुआ।

**2. भारत में गठबंधन राजनीति के दो प्रभाव बताइए।**

(RBSE-2024)

उत्तर–

1. क्षेत्रीय दलों की भूमिका में वृद्धि — गठबंधन राजनीति के कारण क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक शक्ति और महत्त्व बढ़ा।

2. केंद्रीय सरकारों में साझेदारी — क्षेत्रीय दल केंद्र में सरकार बनाने और चलाने के लिए महत्त्वपूर्ण साझेदार बने।

**संबंधित प्रभाव:**

3. बहुदलीय शासन-प्रणाली का विस्तार — किसी एक दल के प्रभुत्व के स्थान पर बहुदलीय शासन व्यवस्था का विकास हुआ।
4. राजनीतिक सहयोग की आवश्यकता — केंद्र में सरकार बनाने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के समर्थन और सहयोग का महत्त्व बढ़ा।

**3. 1989 के बाद लगातार गठबंधन की राजनीति क्यों प्रभावी रही? संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।**

(RBSE-2025)

उत्तर–

1. एकदलीय प्रभुत्व का अंत — 1989 में कांग्रेस का पूर्व राजनीतिक दबदबा समाप्त हुआ।
2. बहुमत का अभाव — 1989 से 2014 तक किसी एक राजनीतिक दल को लोकसभा में पूर्ण बहुमत नहीं मिला।

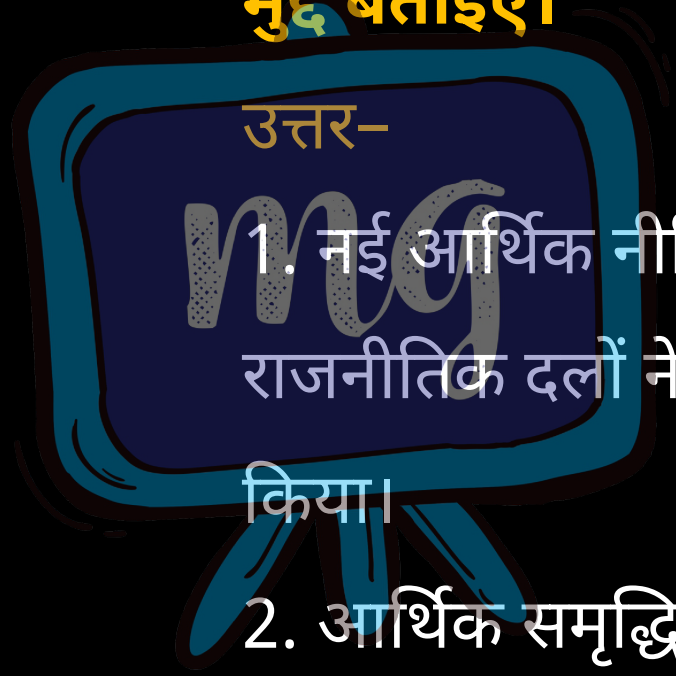
3. बहुदलीय व्यवस्था — अनेक दलों के उभरने से किसी एक-दो दल को अधिकांश वोट या सीटें नहीं मिल पाती थीं।

4. क्षेत्रीय दलों का उदय — क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक शक्ति और भागीदारी बढ़ी।

5. समर्थन पर निर्भरता — केंद्रीय सरकारों का गठन विभिन्न दलों की साझेदारी अथवा बाहरी समर्थन पर निर्भर होने लगा।

**4. 2004 के बाद उभरी व्यापक सहमति के कोई दो मुद्दे बताइए।** (RBSE-2022)

उत्तर–



1. नई आर्थिक नीति पर सहमति — ज्यादातर राजनीतिक दलों ने नई आर्थिक नीतियों को स्वीकार किया।

2. आर्थिक समृद्धि की आशा — दलों का मानना था कि इन नीतियों से देश समृद्ध होगा और भारत विश्व की आर्थिक शक्ति बनेगा।

3. पिछड़ी जातियों के दावों की स्वीकृति — राजनीतिक दलों ने पिछड़ी जातियों के सामाजिक और राजनीतिक दावों को स्वीकार किया।

4. समुचित हिस्सेदारी — दल शिक्षा, रोजगार और सत्ता में अन्य पिछड़ा वर्ग की समुचित हिस्सेदारी के पक्ष में आए।

## दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न

1. **मंडल आयोग की प्रमुख सिफारिशें बताइए।**

(Model Paper-2023, RBSE-2024)



1. पिछड़े वर्गों की पहचान — आयोग ने भारतीय समाज में सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की पहचान करने का सुझाव दिया।

2. पिछड़ी जातियों की मान्यता — आयोग ने पिछड़ा वर्ग को पिछड़ी जातियों के अर्थ में स्वीकार करने की सिफारिश की।

3. शैक्षिक स्थिति का अध्ययन — आयोग के सर्वेक्षण में पाया गया कि पिछड़ी जातियों की शिक्षा संस्थाओं में मौजूदगी बहुत कम थी।

4. सरकारी नौकरियों की स्थिति — सर्वेक्षण में सरकारी नौकरियों में पिछड़ी जातियों की कम भागीदारी भी सामने आई।

5. शिक्षा में आरक्षण — आयोग ने पिछड़ी जातियों के लिए शिक्षा संस्थाओं में आरक्षण की सिफारिश की।

6. सरकारी नौकरियों में आरक्षण — आयोग ने इन समूहों के लिए सरकारी नौकरियों में भी आरक्षण का सुझाव दिया।

7. 27 प्रतिशत आरक्षण — आयोग की प्रमुख सिफारिश शिक्षा संस्थाओं और सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना थी।

8. अन्य सुधारात्मक उपाय — अन्य पिछड़ा वर्ग की स्थिति सुधारने के लिए आयोग ने भूमि-सुधार सहित अन्य उपाय भी सुझाए।

## निबंधात्मक प्रश्न

1. **नब्बे के दशक से गठबंधन राजनीति की विवेचना कीजिए।** (RBSE-2026)

उत्तर–

**1. गठबंधन राजनीति की शुरुआत (1989)**

• कांग्रेस की पराजय — 1989 के चुनावों में कांग्रेस को केवल 197 सीटें मिलीं और उसने विपक्ष में बैठने का निर्णय लिया।

• राष्ट्रीय मोर्चा सरकार — वी. पी. सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय मोर्चा सरकार बनी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## 2. बहुदलीय शासन-प्रणाली का विकास

• एकदलीय बहुमत का अभाव — 1989 से 2014 तक किसी एक राजनीतिक दल को लोकसभा में पूर्ण बहुमत प्राप्त नहीं हुआ।

• अनेक दलों का उदय — क्षेत्रीय आकांक्षाओं, दलितों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाले दलों का महत्त्व बढ़ा।

• राजनीतिक साझेदारी — सरकार बनाने के लिए विभिन्न दलों का समर्थन और सहयोग आवश्यक हो गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

### 3. संयुक्त मोर्चा सरकारें (1996–1997)

• 1996 की सरकार — जनता दल और अनेक क्षेत्रीय दलों ने मिलकर संयुक्त मोर्चा सरकार बनाई।

• एच. डी. देवेगौड़ा — उन्होंने जून 1996 से अप्रैल 1997 तक सरकार का नेतृत्व किया।

• इंद्रकुमार गुजराल — उनके नेतृत्व में अप्रैल 1997 से मार्च 1998 तक संयुक्त मोर्चा सरकार रही।

• समर्थन — इन सरकारों को कांग्रेस का समर्थन प्राप्त था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## 4. राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (1998–1999)

• भाजपा का नेतृत्व — भाजपा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेतृत्व में सत्ता में आई।

• प्रधानमंत्री — राजग की सरकारों का नेतृत्व अटल बिहारी वाजपेयी ने किया।

• 1998 की सरकार — भाजपा-नीत राजग सरकार 1998 में सत्ता में आई।

• 1999 की सरकार — अक्टूबर 1999 में राजग ने पुनः सत्ता प्राप्त की और इस सरकार ने अपना निर्धारित कार्यकाल पूरा किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## 5. संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (2004–2009)

• 2004 का चुनाव — राजग की हार हुई और कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार बनी।

• वाम मोर्चे का समर्थन — संप्रग सरकार को प्रारंभ में वाम मोर्चे का समर्थन प्राप्त हुआ।

• 2009 का चुनाव — कांग्रेस की सीटें 145 से बढ़कर 206 हो गईं।

• प्रधानमंत्री — डॉ. मनमोहन सिंह ने दूसरी बार संप्रग सरकार का नेतृत्व किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## 6. गठबंधन राजनीति में क्षेत्रीय दलों की भूमिका

- राजनीतिक शक्ति — क्षेत्रीय दल केंद्रीय राजनीति के महत्त्वपूर्ण साझेदार बने।
- सरकार निर्माण — केंद्र में गठबंधन सरकारों का गठन क्षेत्रीय दलों की साझेदारी अथवा समर्थन पर निर्भर रहा।
- प्रतिनिधित्व — क्षेत्रीय आकांक्षाओं तथा दलित और पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टियों की भूमिका बढ़ी।

## 7. 2014 और 2019 के बाद गठबंधन राजनीति

• 2014 का चुनाव — भाजपा ने 282 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया।

• राजग सरकार — एकल बहुमत प्राप्त होने के बावजूद भाजपा ने सहयोगी दलों के साथ राजग सरकार बनाई।

• 2019 का चुनाव — भाजपा ने 303 सीटें जीतकर पुनः पूर्ण बहुमत प्राप्त किया।

• गठबंधन की प्रासंगिकता — पूर्ण बहुमत मिलने के बाद भी गठबंधन राजनीति का महत्त्व बना रहा।